

डॉ. डैनियल के. डार्को, लूका का सुसमाचार, सत्र 26, दृष्टांत और दस कोढ़ी, लूका 16:19-17:19

© 2024 डैन डार्को और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डैनियल के. डार्को द्वारा लूका के सुसमाचार पर दिए गए अपने उपदेश हैं। यह सत्र संख्या 26 है, दृष्टांत और दस कोढ़ी, लूका अध्याय 16, पद 19 से अध्याय 17, पद 19 तक।

लूका के सुसमाचार पर बिब्लिका ई-लर्निंग व्याख्यान श्रृंखला में आपका स्वागत है।

जैसा कि आपने पिछले व्याख्यानों में देखा, हमने दो कठिन अंशों पर चर्चा की। शूट मैनेजर के दृष्टांतों में से एक में बहुत सारी जटिलताएँ हैं, और फरीसियों को टीजे की शिक्षा में भी कुछ विवादास्पद तत्व थे, जिनमें से एक ल्यूक के सुसमाचार में तलाक पर यीशु की शिक्षा थी। और वहाँ, जैसा कि आपको याद होगा, मैंने आपको इस विषय पर एक विस्तृत जानकारी देने की कोशिश की कि बाकी समकालिक सुसमाचारों में उस विषय को कैसे संबोधित किया गया है।

फरीसियों को शिक्षा देने के बाद, यीशु अध्याय 16, श्लोक 19 में आगे बढ़ते हैं, और यहाँ वे एक दृष्टांत बताना शुरू करते हैं। वे अभी भी फरीसियों से निपट रहे हैं, और वे अभी भी इस चित्र में फरीसियों से बात कर रहे हैं। याद रखें कि पिछले व्याख्यान में फरीसियों के साथ चर्चा की शुरुआत में, मैंने आपको फरीसियों के खिलाफ लगाए गए आरोप के बारे में याद दिलाया था कि वे पैसे के प्रेमी हैं, जो कि फरीसियों के खिलाफ लगाया गया एक बहुत ही असामान्य आरोप है।

इसे अपने दिमाग में रखें जब हम 16 से 19 पढ़ते हैं और इस दृष्टांत को देखना शुरू करते हैं और जब यीशु अभी भी फरीसियों से बात कर रहे होते हैं तो दृष्टांत विषय वस्तु के बारे में क्या करता है। श्लोक 19, एक धनी व्यक्ति था जो बैंगनी और बढ़िया मलमल के कपड़े पहनता था और हर दिन शानदार दावतें करता था। और उसके द्वार पर लाज़र नाम का एक गरीब आदमी पड़ा था, जो आरी से ढका हुआ था, और जो अमीर आदमी के अस्तबल से गिरने वाले पानी से अपना पेट भरना चाहता था।

इसके अलावा, कुत्ते भी आकर उसकी आरी चाटने लगे। गरीब आदमी मर गया और स्वर्गदूतों ने उसे अब्राहम के पास पहुँचाया। अमीर आदमी भी मर गया और उसे दफ़ना दिया गया।

और अधोलोक में, पीड़ा में, उसने अपनी आँखें उठाई और दूर से अब्राहम को और लाज़र को उसके पास देखा। और उसने पुकारा, हे पिता अब्राहम, मुझ पर दया करो, और लाज़र को भेजो कि वह अपनी उँगली का सिरा पानी में डुबोए और मेरी जीभ को ठंडा करे, क्योंकि मैं इस ज्वाला में तड़प रहा हूँ। लेकिन अब्राहम ने कहा, बच्चे, याद रखो कि तुमने अपने जीवनकाल में अपनी अच्छी चीज़ें प्राप्त कीं, और लाज़र ने, मन्ना की तरह, बुरी चीज़ें प्राप्त कीं।

लेकिन अब वह यहाँ शान्ति पा रहा है, और तुम पीड़ा में हो। और इसके अलावा, इन सब के अलावा, इन सब के अलावा, तुम्हारे और हमारे बीच, एक बड़ी खाई तय की गई है, ताकि जो लोग

यहाँ से तुम्हारे पास जाना चाहें, वे न जा सकें, और कोई भी वहाँ से हमारे पास न आ सके। और उसने कहा, तो मैं तुझ से विनती करता हूँ, हे पिता, उसे मेरे पिता के घर भेज, क्योंकि मेरे पाँच भाई हैं, कि वह उन्हें चेतावनी दे, ऐसा न हो कि वे भी इस पीड़ा की जगह में आएँ।

इब्राहीम ने कहा, “ उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं। वे उनकी सुनें।” उसने कहा, “ नहीं, हे पिता इब्राहीम, यदि कोई मरे हुआ में से उनके पास जाए, तो वे मन फिराएँगे।”

उसने उससे कहा, “ यदि वे मूसा और भविष्यद्वक्ताओं की बात नहीं सुनते, तो यदि कोई मरे हुआ में से जी उठे, तो भी वे विश्वास नहीं करेंगे।” जैसा कि हम इस व्याख्यान में आगे बढ़ते हैं, कृपया याद रखें कि मैंने पहले मूसा और भविष्यद्वक्ताओं के बारे में उल्लेख किया था और कैसे लूका मूसा और भविष्यद्वक्ताओं का उपयोग कानून और भविष्यद्वक्ताओं को संदर्भित करने के लिए कर रहा है, यदि आप चाहें, तो यहूदी धर्मग्रंथों के सामूहिक रूप में। तो अब यह कहने के बाद, आइए इस दृष्टांत को थोड़ा और करीब से समझना शुरू करें।

हम इस दृष्टांत में दो व्यक्तियों को देखते हैं और उनके वर्णन के लिए इस्तेमाल की गई भाषा पर ध्यान देते हैं, क्योंकि यीशु ने फरीसियों को लूका के सुसमाचार में दिए गए एक जोर पर गौर करने के लिए चुनौती देने की कोशिश की, अर्थात् बहिष्कृत और गरीबों के लिए परमेश्वर का राज्य। हम पाते हैं कि दान देने के संबंध में फरीसी समानता के खिलाफ मामला सामने लाया गया है। फरीसी अपनी धर्मनिष्ठ परंपराओं के कुछ पहलुओं को गंभीरता से लेते थे।

उनमें से एक था प्रार्थना करना। उन्हें प्रार्थना करना पसंद था, और वे यहूदी परंपराओं के रीति-रिवाजों का पालन करने के लिए सभी नियमित प्रार्थना समय का पालन करना पसंद करते थे। दूसरा है दान देना।

गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना उनकी धर्मपरायणता की अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, भले ही तीसरा, जो उपवास है। हम जानते हैं कि ये तीनों मैथ्यू में यीशु के पर्वत पर उपदेश में उल्लिखित हैं, जहाँ यीशु ने पर्वत की चोटी पर भीड़ को संबोधित किया, कानून की पुनर्व्याख्या के बारे में बात की, और विशेष रूप से मैथ्यू के अध्याय 6 में, जहाँ वह फरीसी धर्मपरायणता के इन तीन मुद्दों से निपटता है, अर्थात् प्रार्थना, उपवास और दान। यहाँ, यीशु फरीसियों से बात करते हैं, धर्मपरायणता के प्रति उनकी विषयवस्तु और संवेदनशीलता को प्रतिध्वनित करते हैं, और वे इसे इस दृष्टांत में लाते हैं: धनी व्यक्ति और लाज़र।

यहाँ एक बहुत ही रोचक घटनाक्रम देखने को मिलता है, जब यीशु अपने विचार इस श्रोतागण को बताते हैं। यीशु एक ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने फरीसियों के साथ संगति में भाग लिया था और इसलिए वे जानते थे कि उनके घरों में भोजन का समय कैसे निर्धारित किया जा सकता है। यीशु उनके घर के माहौल को जानते थे और इस अध्याय में पहले ही उन पर ऐश्वर्य और धन के प्रेमी होने का आरोप लगा चुके थे।

यदि आप यहाँ की समृद्धि और चर्च, 1614 में धन के प्रेमियों की तुलना करें, तो आप देखेंगे कि यीशु फरीसियों के दिल तक बहुत ही असहज तरीके से पहुँच रहे हैं। आप इस संदर्भ में यहाँ एक

घर के गेट और धनी व्यक्ति के शाही परिधान की कल्पना पर भी ध्यान दे सकते हैं जो बैंगनी रंग के कपड़े पहनता है और लाजर, जो घावों से ढका हुआ था, यह दर्शाता है कि वह नग्न था। आप इस दृष्टांत में हेड्स और अब्राहम बोस्टन के बीच की खाई की कल्पना भी पाते हैं, और कृपया, मैं नहीं चाहूँगा कि आप स्वर्ग और नर्क के बारे में सोचने के लिए उस छवि को ज़्यादा बढ़ाएँ।

यहाँ इसका एक दृष्टांतीय कार्य है, जिसमें यीशु फरीसियों को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें गरीबों की कितनी देखभाल करनी चाहिए, और हमारे बीच जरूरतमंद लोग सुसमाचार का एक अभिन्न अंग हैं। यह तुलना करते हुए, मुझे विशेष रूप से इस व्याख्यान को देते समय यह विचार आया, मैंने लूका पर अपने कक्षा व्याख्यानों में इसे कभी इस तरह से नहीं रखा, लेकिन मैंने आपके लिए समानांतर रखने का फैसला किया ताकि आप देख सकें कि यीशु यहाँ फरीसियों के दिल तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए मेरे साथ धैर्य रखें क्योंकि हम एक बार फिर से पाठ को देखते हैं कि मैं इसे कैसे व्यवस्थित करता हूँ।

आप देखिए, जिस तरह से मैं इसे यहाँ व्यवस्थित करता हूँ, यीशु अमीर आदमी की आदत की समृद्धि को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और गरीब आदमी को दिखाना शुरू कर रहा है और अमीरों को गरीबों की देखभाल करने या गरीबों की सेवा करने की जरूरत दिखाने की कोशिश कर रहा है। याद रखें कि वह व्यक्ति जो ल्यूक के सुसमाचार को प्राप्त करने जा रहा है, वह सर थियोफिलस है, जो समाज में एक कुलीन व्यक्ति है, और यह पत्र एक कुलीन व्यक्ति द्वारा लिखा गया था जो थियोफिलस को हाशिए पर पड़े लोगों के लिए सुसमाचार के बारे में सोचने के लिए चुनौती देना चाहता है। वह बैंगनी और सनी के कपड़े पहने हुए था जो अमीर आदमी है लेकिन लाजरस का हिस्सा नहीं है जो गरीब आदमी है वह घावों से भरा हुआ था।

अमीर आदमी ने खूब दावत उड़ाई, लेकिन गरीब आदमी की तरफ से नहीं। वह अमीर आदमी की मेज़ से बचे हुए खाने से पेट भरने के लिए तरस रहा था। वह खाने के लिए भी तैयार नहीं था। ध्यान दें कि इस कथन के तुरंत बाद उनका प्रस्थान कैसे सूचीबद्ध है।

इस वृत्तांत में हमें बताया गया है कि, वास्तव में, लाजरस की देखभाल के मामले में हम केवल यही देख सकते हैं कि उसके कुत्ते उसके घावों को चाटने आते हैं और उसके घावों से खाना खाते हैं। अमीर आदमी मर गया और उसे हेडिस में दफनाया गया, लेकिन लाजरस के बारे में इस्तेमाल की गई भाषा पर ध्यान दें। लाजरस को स्वर्गदूतों ने अब्राहम की गोद में ले लिया, और यह लगभग एक शाही व्यवहार था।

इस वृत्तांत में हमें बताया गया है कि, वास्तव में, लाजरस पर ध्यान देने के मामले में हम केवल उसके कुत्तों को ही देख सकते हैं, जो उसके घावों को चाटने आते हैं, जो उसके घावों से भोजन पाने आते हैं। अमीर आदमी मर गया और उसे हेडिस में दफनाया गया, लेकिन लाजरस के बारे में इस्तेमाल की गई भाषा पर ध्यान दें। लाजरस को स्वर्गदूतों ने अब्राहम की गोद में ले लिया, लगभग एक शाही व्यवहार।

धनी व्यक्ति ने अब्राहम और लाजर को अब्राहम की गोद में देखा और मृत्यु के बाद दया की गुहार लगाई, लेकिन आप देखिए, वह बहुत घमंडी था, और उसने उस स्थिति में भी देखा जैसा कि आप

पाठ में देख सकते हैं, और मैं इसे आपके लिए कैसे फ्रेम करता हूँ, वह इतना घमंडी था कि उसने अभी भी सोचा कि लाज़र को नीचा दिखाया जाना चाहिए, भले ही उसने उसे पिता अब्राहम की तरफ देखा हो। इसलिए उसने पिता अब्राहम से उस गरीब आदमी को निर्देश देने के लिए कहा कि वह मेरे लिए मेरी आज्ञा का पालन करे, उससे कुछ पानी लाने के लिए कहो और मेरी प्यास बुझाने के लिए इसे मेरी जीभ में डुबोओ। इससे आपको धनी व्यक्ति के अहंकार के बारे में पता चलना चाहिए क्योंकि यीशु ने फरीसियों के दिल में उतरने की कोशिश की और धनी व्यक्ति ने कहा पिता अब्राहम, इस पक्षी को आने दो और मुझे बचाओ, लेकिन अब्राहम ने कहा कि मैं आपको याद दिला दूँ

लाज़र, पिता अब्राहम, पिता अब्राहम ने कहा नहीं, उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं जिनका अनुसरण करना है। यदि आप एक फरीसी हैं और यीशु को इस अंश पर सीधे सुन रहे हैं, तो यीशु जो कह रहे हैं वह यह है कि सबसे पहले उन पर धन के प्रेमी होने का आरोप लगाया गया है, मैं कहता हूँ कि वे यहाँ के शाही लोग बनना चाहते हैं और शास्त्रों में जो सिखाया गया है उसे समझते और अपनाते भी नहीं हैं, अर्थात् कानून और मूसा क्या प्रदान करते हैं, लेकिन एक गरीब आदमी जिसे उन्होंने हाशिए पर डाल दिया है, वह जिसे गंदे कुत्ते भी चाटेंगे, वह जिसे आज हमारे समाज में निराश्रित, अवांछित, वह व्यक्ति माना जाएगा जो सीधे मेज से भोजन पाने के योग्य नहीं है, यहाँ तक कि उसे हाथ से खाना भी नहीं दिया जाना चाहिए, वह पिता अब्राहम के साथ एक आरामदायक स्थान पाता है। फरीसियों के लिए, यीशु उन्हें परमेश्वर के राज्य की गंभीरता को समझने के लिए चुनौती दे रहे हैं क्योंकि यह हमारे बीच गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों से संबंधित है।

मैं फरीसियों के लिए स्टिकर नोट कहता हूँ, उनमें से तीन। याद रखें, यीशु यहाँ कुछ चित्रित कर रहे हैं, आप जानते हैं, पृथ्वी पर रहते हुए, लाज़र दया के लिए रोएगा और उसे नहीं मिलेगा और केवल कुत्तों को चाटने के लिए मिलेगा, लेकिन वह जो दया नहीं दिखा सका, अमीर आदमी दया के लिए रोएगा, और उसके बाद। आने वाले राज्य में, जो लोग शास्त्रों की शिक्षाओं के अनुसार यहाँ अपना जीवन नहीं जीते हैं, उन्हें स्वयं ईश्वर से प्रतिशोधात्मक न्याय मिलेगा यदि आप दंडात्मक प्रतिशोध पसंद करते हैं।

फरीसियों के लिए अन्य स्टिकर नोट में आप ईश्वर और बहिष्कृत लोगों को देखते हैं; यीशु फरीसियों को याद दिलाते हैं कि बहिष्कृत लोग पिता अब्राहम के साथ एक आनंदमय स्थान पाएंगे। वे अब्राहम के साथ रहने के योग्य हैं; वे अब्राहम के पक्ष में होने के योग्य हैं और उनके लिए सभी चीजें सुलभ हैं, भले ही अमीर लोग सोचते हों कि वे इस धरती पर उनकी मेज से टुकड़ों के लायक नहीं हैं। तीसरा स्टिकर नोट जो यीशु यरूशलेम की ओर बढ़ते हुए बता रहे हैं, वह न्याय का उद्देश्य है, कि आखिरकार जिस तरह से हम यहाँ अपना जीवन जीते हैं, उसके लिए प्रतिशोधात्मक न्याय मिलेगा, और जो लोग शास्त्रों के अनुसार अपना जीवन नहीं जीते हैं, उनके लिए एक दर्द होगा, प्यास होगी, बदलाव की इच्छा होगी, और वह बदलाव नहीं होगा।

वे दया की दुहाई देंगे, लेकिन वह दया कारगर नहीं हो सकती। वे चाहते हैं कि लोग, यहाँ तक कि वे लोग भी जिन्हें उन्होंने पीछे छोड़ दिया है, खुशखबरी सुनें और अपनी गलतियाँ न दोहराएँ, लेकिन ऐसा नहीं होगा। परमेश्वर का राज्य अभी है।

फरीसियों के लिए, अब समय आ गया है कि हम अपने बीच गरीबों की जगह पर विचार करें और उन्हें अपने साथ भोजन करने के योग्य समझें। उन्हें उनकी धर्मपरायणता की भावना में योग्य समझें, दान देने में आगे बढ़ें। आप देखिए, यीशु दान देने के मामले में सुरक्षित धर्मपरायणता के लिए सवाल उठा रहे थे, मूल बात पर चोट कर रहे थे और सवाल उठा रहे थे कि वे किसके लिए उदारता पेश करना चुनते हैं।

मसीह में मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, मुझे थोड़ा रुककर गरीबों से निपटने के बारे में कुछ कहना है। मुझे लगता है कि मैं अपनी अफ्रीकी विरासत का ऋणी हूँ। मैं उन बच्चों का ऋणी हूँ जिनके चेहरे मैंने बोस्निया में युद्ध के ठीक बाद देखे थे, जिनके चेहरे मैंने ओसिजेक में देखे थे जिनके साथ मैंने समय बिताया था, और जिनके साथ मैंने जर्मनी से आया फ़ोजन पिज़्ज़ा खाया था जिसे हम सिर्फ़ खाने के लिए खाते हैं।

मैं आपको याद दिलाता हूँ कि यीशु उनके लिए आए थे। परमेश्वर का राज्य उनके लिए है। आप देखिए, आर्थिक स्थिति, शारीरिक स्थिति, स्वास्थ्य की स्थिति, और जो भी कलंक लोग दूसरों पर लगाएंगे, और उन्हें अयोग्य करार दिया जाएगा।

यह बात मायने नहीं रखती कि परमेश्वर ने लोगों को किस तरह से देखा, जिसे उसने अपनी समानता और अपनी छवि में बनाया है। यीशु हमें गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों तक पहुँचने के लिए कहते हैं। सबसे पहले, इस पाठ में, फरीसियों और दूसरे हमारे लिए।

मैंने गरीबों को देखा है, और वे पीड़ित हैं। मैंने हाशिए पर पड़े लोगों को देखा है। मैंने अमीरों को देखा है जो युद्ध के परिणामस्वरूप गरीबी में गिर गए हैं, और मैं कैसे चाहता हूँ, मैं कैसे चाहता हूँ कि हम प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार के आदेशों को आगे बढ़ाएँ।

वह यहाँ फरीसियों को चुनौती देता है कि वे उन लोगों को बताएँ जो सोचते हैं कि समाज ने उन्हें भूल दिया है कि वह उनके लिए भी आया था। हमें अपनी उदारता और दयालुता के कार्यों से उन्हें दिखाना चाहिए कि हम यीशु मसीह के अनुयायी हैं। अमीर आदमी और लाज़र के दृष्टांत में, वह फरीसियों को बस इस बारे में सोचने के लिए चुनौती देता है।

वे दान देने में चयनात्मक नहीं हो सकते। वे यह निर्धारित और परिभाषित नहीं कर सकते कि उनकी उदारता का पात्र कौन है। यहाँ तक कि जो घावों से भरा हुआ है, वह भी फरीसी अब्राहम के साथ एक आनंदमय स्थान प्राप्त करने के लिए खड़ा है, जैसा कि फरीसी इस बारे में सोच रहे थे।

यीशु बातचीत और नज़र और प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए शिष्यों को संबोधित करना शुरू करते हैं। अब, ध्यान दें कि यहाँ और अध्याय 15 के बीच क्या चल रहा है, अध्याय 15 से आगे और यहाँ से आगे। ऐसा लगता है कि एक समय था जब फरीसी एक तरफ़ होंगे, और यीशु सीधे शिष्यों से बात करेंगे, और जब वह शिष्यों के साथ समाप्त करेंगे, तो वे दृश्य से चले जाएँगे, और वह मुड़ेंगे, और वह फरीसियों को संबोधित करेंगे, और ऐसा लगता है कि यही क्रम यहाँ चल रहा है।

जैसा कि हम अध्याय 17 से शुरू करते हैं, यीशु शिष्यों को सीधे उनके साथ एक और मुद्दे से निपटने के लिए प्रेरित करते हैं, और इसके लिए, हम 17 वीं आयत 1 की ओर मुड़ते हैं, जहाँ उन्होंने अपने शिष्यों से कहा कि पाप करने के प्रलोभन अवश्य आएं, लेकिन उस व्यक्ति के लिए दुःख है जो वे कर सकते हैं। उसके लिए यह बेहतर होगा कि उसके गले में चक्की का पाट लटका दिया जाए और उसे समुद्र में फेंक दिया जाए, बजाय इसके कि वह इन छोटों में से किसी एक को पाप करने के लिए प्रेरित करे। अपने आप पर ध्यान दें। यदि आपका भाई पाप करता है, तो उसे डाँटें, और यदि वह पश्चाताप करता है, तो उसे क्षमा करें, और यदि वह दिन में सात बार आपके विरुद्ध पाप करता है और वह सात बार आपके पास आकर कहता है कि मैं पश्चाताप करता हूँ, तो आपको उसे क्षमा करना चाहिए।

पद 5 में, प्रेरित ने प्रभु से कहा कि हमारा विश्वास बढ़ाएँ और प्रभु ने कहा कि यदि तुम्हारा विश्वास राई के दाने के बराबर भी हो, तो तुम इस शहतूत के पेड़ से कह सकते हो कि वह जड़ से उखाड़कर समुद्र में लगा दे, और वह तुम्हारी बात मान लेगा। क्या तुम में से कोई ऐसा होगा जिसका दास हल जोतता हो या भेड़ें चराता हो, कि जब वह खेत से आए, तो तुरन्त आकर भोजन करने बैठ जाए? क्या वह उससे यह नहीं कहेगा कि मेरे लिए भोजन तैयार करो, अच्छे कपड़े पहनो, और जब मैं खाऊँ-पीऊँ, तब मेरी सेवा करो? उसके बाद, तुम खाओगे-पिओगे।

क्या यह सेवक को बदल देता है क्योंकि उसने वही किया जो उसे आदेश दिया गया था? तो, तुम भी, जब तुमने वह सब किया जो तुम्हें आदेश दिया गया था, तो कहो कि हम अयोग्य सेवक हैं। हमने केवल वही किया जो हमारा कर्तव्य था। अमीर और लाजर के दृष्टांत से शिष्यों के ध्यान में आने वाले बदलाव पर ध्यान दें, और फिर यीशु सीधे कहते हैं कि हे दोस्तों, मैंने अभी-अभी इन फरीसियों से निपटा है और उन्हें जागरूक किया है कि लाजर जैसे हाशिए पर पड़े लोगों का परमेश्वर के राज्य में एक स्थान है और हम सभी को ऐसी ज़रूरतों को पूरा करने की ज़रूरत है। वह उन्हें याद दिलाता है कि हे, ऐसा न हो कि तुम दूसरे समूह को भूल जाओ जिसे तुम महत्वहीन समझते हो, छोटे लोग। यदि तुम में से कोई भी राज्य प्राप्त करने के लिए महत्वहीन लोगों के रास्ते में खड़ा होगा, तो उस व्यक्ति के विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

यीशु परमेश्वर के राज्य में। मैं तीन विषयों पर प्रकाश डालना चाहता हूँ जिन पर इस अंश में प्रकाश डाला जाएगा। एक वह सावधानी है जिसका उल्लेख यीशु यहाँ कर रहे हैं।

यीशु ने जो भी व्यक्ति बाधा बनेगा, उसके प्रति प्रत्यक्ष चेतावनी जारी की है, या जिस शब्द का वह उपयोग करता है वह एक ऐसे घोटाले की तरह है जो अपनी जगह पर खड़ा है, और फिर वह क्षमा पर बात करता है, और फिर क्षमा में, वह भाईचारे में क्षमा के बारे में बात करेगा। मैं इसे एक मिनट में खोलूंगा, और फिर आप विश्वास की शक्ति के बारे में बात करते हैं कि यदि आपके पास थोड़ा सा विश्वास है, तो आप किसी तरह एक मोबाइल पेड़ को जोड़ सकते हैं और उस दृष्टांत को देख सकते हैं; यह बहुत दिलचस्प है। मेरा मतलब है, जब मैं इसके बारे में सोचता हूँ, तो मैं कहता हूँ, यीशु ऐसा क्यों कर रहे हैं? मेरा मतलब है, वह कहते हैं कि आप उस पेड़ को जोड़ सकते हैं, और वह पेड़ जाकर समुद्र में बस जाएगा। समुद्र क्यों? और अगर मैं चौथी बात जोड़ूंगा तो मैं निस्संदेह एक टीम पर नहीं बल्कि एक भावना पर प्रकाश डालूंगा जिसमें यह शिथिलता रवैया है।

रवैया। यीशु ने शिष्यों को चुनौती दी और चार मुख्य घोषणाएँ कीं जिन्हें मैं यहाँ उजागर करता हूँ। अब मैं यह कहना चाहता हूँ कि जब आप टीकाएँ पढ़ेंगे तो टीकाकार आपको बताएँगे कि ये सभी अंश इतने असंबद्ध हैं और इनका कोई संबंध नहीं है और यह सब, लेकिन मैं इस व्याख्यान में जो करने की कोशिश कर रहा हूँ वह आपको वह संबंध दिखाना है जो ल्यूक द्वारा यरूशलेम के रास्ते में यीशु के बारे में एक कहानी बताते समय चल रहा है और ऐसा लगता है कि इस भीड़ में कुछ फरीसी और कुछ शिष्य भी हैं और कभी-कभी जब यह उनके सामने आता है तो वह फरीसी को संबोधित करते हैं और फिर वह पीछे मुड़ते हैं और फिर कभी-कभी वह शिष्यों को संबोधित करते हैं।

यहाँ, वह शिष्यों से इस बारे में बात करता है कि इन क्षेत्रों में एक सच्चा शिष्य होने का क्या मतलब है। आइए इन बातों को थोड़ा और करीब से देखें। एक।

यीशु ने कहा कि समाज और जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसमें घोटाले होंगे, समस्याएँ होंगी। आप देखिए, यहाँ जिस शब्द का वह उपयोग करता है, वह सुझाव देता है कि प्रलोभन, जाल और अचेत करने वाले अवरोध होंगे, लेकिन किसी भी व्यक्ति के लिए एक भयानक मौत मरना बेहतर है, बजाय इसके कि किसी भी छोटे को विभाजित किया जाए या उन्हें परमेश्वर के राज्य में भागीदार बनने से रोका जाए। यीशु अपने शिष्यों को यह समझने के लिए चुनौती देता है कि आप किसी ऐसे व्यक्ति के रास्ते में नहीं खड़े होना चाहते जो परमेश्वर के राज्य में रहने में सक्षम हो, और अगली बात भाईचारे की अवधारणा है, यह समझना कि विश्वास के समुदाय के सदस्य एक-दूसरे को चोट पहुँचाएँगे, एक-दूसरे को अपमानित करेंगे, एक-दूसरे के खिलाफ़ काम करेंगे, वे एक-दूसरे के खिलाफ़ पाप करेंगे, वह उन्हें आत्म-जागरूक होने और समूह में लोगों को क्षमा करने की चुनौती देता है जब वे पाप करते हैं।

अमीर आदमी ने अब्राहम और लाजर को अब्राहम की गोद में देखा और मृत्यु के बाद दया की भीख मांगी। लेकिन आप देखिए, वह इतना घमंडी था, और उसने उस स्थिति में भी देखा, जैसा कि आप पाठ में देख सकते हैं और मैं इसे आपके लिए कैसे प्रस्तुत करता हूँ, वह इतना घमंडी था कि उसने अभी भी सोचा कि लाजर को अपमानित किया जाना चाहिए, भले ही उसने उसे पिता अब्राहम के पक्ष में देखा हो। इसलिए, उसने पिता अब्राहम से कहा कि वह उस गरीब आदमी को मेरे लिए मेरी आज्ञा का पालन करने का निर्देश दे।

उससे कहो कि वह थोड़ा पानी लाए और मेरी जीभ पर डालकर मेरी प्यास बुझाए। इससे आपको उस अमीर आदमी के अहंकार के बारे में पता चल जाएगा, जब यीशु फरीसियों के दिल तक पहुँचने की कोशिश कर रहा था। और अमीर आदमी ने कहा, पिता अब्राहम, इस पक्षी को आने दो और मुझे बचाओ।

पिता अब्राहम ने कहा, मैं तुम्हें याद दिलाना चाहता हूँ, तुम्हें अपने जीवन में अच्छी चीजें मिलेंगी, लेकिन तुम दुख भोग रहे हो। लेकिन इस लाजरस को देखो; उसे बुरी चीजें मिलीं, और उसे सांत्वना मिली। लाजरस और पिता अब्राहम ने कहा; पिता अब्राहम ने कहा, नहीं, उनके पास मूसा और भविष्यद्वक्ता हैं जिनका अनुसरण करना है।

यदि आप एक फरीसी हैं और यीशु को सीधे इस अंश पर सुन रहे हैं, तो यीशु जो कह रहे हैं वह यह है। सबसे पहले, उन पर पैसे के प्रेमी होने का आरोप लगाया गया था। मैं कहता हूँ कि वे यहाँ के शाही लोग बनना चाहते हैं और शास्त्रों में जो सिखाया गया है उसे समझते और अपनाते भी नहीं हैं।

अर्थात्, कानून और मूसा क्या पेशकश करते हैं। लेकिन गरीब आदमी को उन्होंने हाशिए पर डाल दिया। वह भी जिसके घाव गंदे कुत्ते चाटेंगे।

आज हमारे समाज में जिसे निराश्रित, अवांछित माना जाएगा। जो व्यक्ति सीधे मेज से खाना खाने के लायक नहीं था, उसे हाथ से खाना भी नहीं दिया जाना चाहिए था, वह पिता अब्राहम के साथ एक आरामदायक जगह पाता है। फरीसियों के लिए, यीशु उन्हें चुनौती दे रहे हैं कि वे परमेश्वर के राज्य की गंभीरता को समझें क्योंकि यह हमारे बीच गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों से संबंधित है।

मैं फरीसियों के लिए स्टिकर नोट कहता हूँ, उनमें से तीन। याद रखें कि यीशु यहाँ कुछ चित्रित कर रहे हैं। आप जानते हैं, पृथ्वी पर रहते हुए, लाज़र दया के लिए रोएगा और उसे दया नहीं मिलेगी और केवल कुत्तों को चाटने के लिए मिलेगा।

लेकिन जो दया नहीं दिखा सका, वह धनवान व्यक्ति परलोक में दया की गुहार लगाएगा। आने वाले राज्य में, जो लोग यहाँ शास्त्रों की शिक्षाओं के अनुसार अपना जीवन नहीं जीते, उन्हें स्वयं ईश्वर से प्रतिशोधात्मक न्याय मिलेगा। अगर आप चाहें तो दंडात्मक प्रतिशोध।

फरीसियों के लिए स्टिकर नोटों में से दूसरा, और आप परमेश्वर और बहिष्कृत को देखते हैं। यीशु फरीसियों को याद दिलाते हैं कि बहिष्कृत लोग पिता अब्राहम के साथ एक आनंदमय स्थान पाएंगे। वे अब्राहम के साथ रहने के लिए तैयार हैं।

वे अब्राहम के पक्ष में होने के लिए तैयार हैं और उन्हें सभी चीजें सुलभ हैं। भले ही अमीर लोग सोचते हों कि वे इस धरती पर अपनी मेज से टुकड़ों के लायक नहीं हैं, लेकिन यरुशलम की ओर बढ़ते हुए यीशु जिस तीसरे स्टिकर नोट की ओर इशारा कर रहे हैं, वह न्याय का मकसद है।

आखिरकार, जिस तरह से हम अपना जीवन जीते हैं, उसके लिए हमें प्रतिशोधात्मक न्याय मिलेगा। और जो लोग शास्त्रों के अनुसार अपना जीवन नहीं जीते, उन्हें पीड़ा होगी, प्यास होगी। वे बदलाव की इच्छा करेंगे, और वह बदलाव नहीं होगा।

वे दया की गुहार लगाएँगे, लेकिन वह दया कारगर नहीं होगी। वे चाहेंगे कि जिन लोगों को वे पीछे छोड़ आए हैं, वे भी खुशखबरी सुनें और अपनी गलतियाँ न दोहराएँ। लेकिन ऐसा नहीं होगा।

परमेश्वर का राज्य अभी है। फरीसियों के लिए, अब समय है कि वे हमारे बीच गरीबों की स्थिति पर विचार करें। और उन्हें अपने साथ भोजन करने के योग्य समझें।

उन्हें उनकी धर्मपरायणता की भावना के योग्य मानना और दान देना। आप देख सकते हैं कि यीशु दान देने के मामले में सुरक्षित धर्मपरायणता के लिए सवाल उठा रहे थे। मूल बात पर पहुँचकर और यह सवाल उठाते हुए कि वे किसको उदारता प्रदान करना चुनते हैं।

मसीह में मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, यहाँ मुझे थोड़ा रुककर गरीबों से निपटने के बारे में कुछ कहना है। मुझे लगता है कि मैं अपनी अफ्रीकी विरासत के लिए ऋणी हूँ। मैं उन बच्चों के लिए ऋणी हूँ जिनके चेहरे मैंने बोस्निया में युद्ध के ठीक बाद देखे थे।

ओसिजेक में मैंने जो चेहरे देखे थे। मैंने उनके साथ समय बिताया, और मैंने जर्मनी से आए जमे हुए पिज्जा खाए, जिन्हें हम सिर्फ खाने के लिए खाते थे। मैं आपको याद दिला दूँ, यीशु उनके लिए आए थे।

ईश्वर का राज्य उनके लिए है। आप आर्थिक स्थिति या शारीरिक स्थिति या स्वास्थ्य की स्थिति को देखें। और जो भी ऐसा कलंक लोग दूसरों पर लगाएंगे और उन्हें अयोग्य करार देंगे।

यह बात मायने नहीं रखती कि परमेश्वर ने लोगों को किस तरह से देखा, जिसे उसने अपनी समानता और अपनी छवि में बनाया है। यीशु हमें गरीबों और हाशिए पर पड़े लोगों तक पहुँचने के लिए कहते हैं। सबसे पहले फरीसियों को लिखे अपने पाठ में और फिर हमारे लिए।

मैंने गरीबों और पीड़ितों को देखा है। मैंने हाशिए पर पड़े लोगों को देखा है। मैंने अमीरों को भी देखा है जो युद्ध के परिणामस्वरूप गरीबी में गिर गए हैं।

और मैं कितनी कामना करता हूँ, कितनी कामना करता हूँ कि हम प्रभु यीशु मसीह के सुसमाचार के आदेश को आगे बढ़ाएँ। वह यहाँ फरीसियों को चुनौती देता है कि वे उन लोगों को बताएँ जो सोचते हैं कि समाज ने उन्हें भूल दिया है कि वह उनके लिए भी आया था।

हमें अपनी उदारता और दयालुता के कार्यों से उन्हें यह दिखाना चाहिए कि हम यीशु मसीह के अनुयायी हैं। धनवान व्यक्ति और लाजर के दृष्टांत में, वह फरीसियों को इस बारे में सोचने के लिए चुनौती देता है। वे अपने दान में चयनात्मक नहीं हो सकते।

वे यह निर्धारित और परिभाषित नहीं कर सकते कि उनकी उदारता का पात्र कौन है। यहाँ तक कि जो घावों से भरा हुआ है, वह भी फेडे अब्राहम के साथ एक आनंदमय स्थान प्राप्त करता है। और ठीक वैसे ही जैसे फरीसी इस बारे में सोच रहे थे।

यीशु बातचीत और नज़र और प्रवचन को आगे बढ़ाते हुए शिष्यों को संबोधित करना शुरू करते हैं। अब ध्यान दें कि यहाँ और अध्याय 15 के बीच क्या चल रहा है। अध्याय 15 से और यहाँ से आगे बढ़ते हुए।

ऐसा लगता था कि एक समय ऐसा था जब फरीसी एक तरफ खड़े होते और यीशु सीधे शिष्यों से बात करते। और जब वह शिष्यों से बात खत्म कर लेते, तो वे दृश्य से चले जाते और वह मुड़कर फरीसियों को संबोधित करते। और ऐसा लगता है कि यही क्रम यहाँ चल रहा है।

जैसा कि हम अध्याय 17 से शुरू करते हैं, यीशु शिष्यों की ओर मुड़ते हैं और सीधे उनके साथ एक और मुद्दे पर बात करना शुरू करते हैं। और हम उस ओर मुड़ते हैं। 17 वीं आयत 1 पर। और उसने अपने शिष्यों से कहा, पाप करने के प्रलोभन अवश्य आएं।

परन्तु हाथ उस मनुष्य पर जिसे वे गिनते हैं। उसके लिये भला होता कि उसके गले में चक्की का पाट लटका दिया जाता, और वह समुद्र में डाल दिया जाता, इस से कि वह इन छोटों में से किसी एक को पाप में फंसाए।

अपने आप पर ध्यान दो: यदि तुम्हारा भाई पाप करे तो उसे डाँटो, और यदि वह पश्चात्ताप करे तो उसे क्षमा करो।

और यदि वह दिन भर में सात बार तुम्हारे विरुद्ध पाप करे, और सातों बार तुम्हारे पास आकर कहे, कि मैं पछताता हूँ, तो उसे क्षमा कर देना। पद 5. प्रेरितों ने प्रभु से कहा, हमारा विश्वास बढ़ा।

और प्रभु ने कहा, यदि तुम में राई के दाने के बराबर भी विश्वास हो, तो तुम इस शहतूत के पेड़ से कह सकते हो, कि जड़ से उखड़कर समुद्र में लग जा, और वह तुम्हारी मान लेगा। क्या तुम में से कोई ऐसा होगा जिसका दास हल जोतता हो या भेड़ें चराता हो, और जब वह खेत से आए, तो उससे कहे, कि तुरन्त आकर भोजन पर बैठ जा? क्या वह उससे यह न कहेगा, कि मेरे लिये भोजन तैयार कर, और अच्छे वस्त्र पहिना, और जब मैं खाऊँ-पीऊँ, तब तू भी खा-पी लेना।

क्या वह सात की ओर मुड़ता है क्योंकि उसने वही किया जो उसे आदेश दिया गया था? इसलिए, तुम भी, जब तुमने वह सब किया जो तुम्हें आदेश दिया गया था, तो कहो, हम अयोग्य सेवक हैं। हमने केवल वही किया जो हमारा कर्तव्य था। धनवान और लाजर के दृष्टांत से शिष्यों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए आगे बढ़ते हुए ध्यान दें।

और फिर यीशु सीधे कहते हैं, हे दोस्तों, मैंने अभी-अभी इन फरीसियों से बात की है और उन्हें बताया है कि लाजर जैसे हाशिए पर पड़े लोगों के लिए भी परमेश्वर के राज्य में जगह है। और हम सभी को ऐसी ज़रूरतों को पूरा करना चाहिए। वह उन्हें याद दिलाते हैं, हे, कहीं ऐसा न हो कि तुम एक और समूह को भूल जाओ जिसे तुम महत्वहीन समझते हो, यानी छोटे लोग।

यदि आप में से कोई भी राज्य प्राप्त करने के लिए महत्वहीन लोगों के मार्ग में खड़ा होगा, तो उस व्यक्ति को विनाशकारी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। परमेश्वर के राज्य में यीशु। मैं तीन विषयों पर प्रकाश डालना चाहता हूँ जिन्हें इस अंश में उजागर किया जाएगा।

एक वह सावधानी है जो यीशु यहाँ बता रहे हैं। यीशु सीधे चेतावनी देते हैं कि जो कोई भी ठोकर का कारण बनेगा या जो शब्द वे इस्तेमाल करते हैं वह एक कलंक की तरह है जो उस स्थान पर खड़ा है। और फिर वे क्षमा के बारे में बात करते हैं।

और फिर क्षमा में, वह भाईचारे में क्षमा के बारे में बात करेंगे। मैं इसे एक मिनट में खोलकर बताऊंगा। और फिर वह विश्वास की शक्ति के बारे में बात करते हैं, कि अगर आपके पास थोड़ा सा विश्वास है, तो आप किसी तरह एक मोबाइल पेड़ को नियंत्रित कर सकते हैं।

और उस दृष्टांत को देखिए। यह बहुत दिलचस्प है। जब मैं इसके बारे में सोचता हूँ, तो मैं खुद से पूछता हूँ, यीशु ऐसा क्यों कर रहे हैं? मेरा मतलब है, वह कहते हैं, आप उस पेड़ को आज्ञा दे सकते हैं, और वह पेड़ जाकर समुद्र में बस जाएगा।

समुद्र क्यों? फिर, मैं एक चौथा विषय जोड़ूंगा जिसे मैं सीधे विषय के रूप में उजागर नहीं करूंगा, लेकिन जिस भावना से ये विषय कार्य करते हैं वह है रवैया। रवैया। यीशु शिष्यों को चुनौती देते हैं और चार प्रमुख घोषणाओं को संबोधित करते हैं जिन्हें मैं यहाँ उजागर करता हूँ।

अब, मैं यह कहना चाहता हूँ कि जब आप टिप्पणियाँ पढ़ेंगे, तो टिप्पणीकार आपको बताएँगे कि ये सभी अंश इतने असंबद्ध हैं और इनका कोई संबंध नहीं है। लेकिन इस व्याख्यान में मैं जो करने की कोशिश कर रहा हूँ, वह आपको वह संबंध दिखाना है जो ल्यूक द्वारा यरूशलेम के रास्ते में यीशु के बारे में एक कहानी बताते समय चल रहा है। और ऐसा लगता है कि इस भीड़ में कुछ फरीसी हैं, कुछ शिष्य हैं।

और कभी-कभी, जब यह बात आती है तो वह फरीसियों को संबोधित करता है, और फिर वह पलट जाता है, और फिर कभी-कभी वह शिष्यों को संबोधित करता है। यहाँ, वह शिष्यों से इस बारे में बात करता है कि इन क्षेत्रों में एक सच्चा शिष्य होने का क्या मतलब है। आइए इन बातों को थोड़ा और करीब से देखें।

एक. यीशु ने कहा कि एक घोटाला होगा। जिस समाज और दुनिया में हम रहते हैं, उसमें समस्याएँ होंगी।

आप देखिए, यहाँ जिस शब्द का वह प्रयोग करता है, उससे पता चलता है कि प्रलोभन, फँसना और ठोकरें खाने की संभावनाएँ होंगी। लेकिन किसी भी व्यक्ति के लिए एक भयानक मौत मरना बेहतर है, बजाय इसके कि वह किसी छोटे बच्चे को विभाजित करे या उसे परमेश्वर के राज्य में भागीदार बनने से रोके। यीशु अपने शिष्यों को समझने की चुनौती देते हैं।

आप किसी ऐसे व्यक्ति के रास्ते में नहीं खड़े होना चाहते जो ईश्वर के राज्य में जाने में सक्षम है। और अगली बात भाईचारे की अवधारणा है। यह समझना कि आस्था के समुदाय में सदस्य एक-दूसरे को चोट पहुँचाएँगे, एक-दूसरे को अपमानित करेंगे, एक-दूसरे के खिलाफ़ काम करेंगे।

वे एक दूसरे के खिलाफ़ पाप करेंगे। वह उन्हें आत्म-जागरूक होने और समूह में लोगों द्वारा पाप किए जाने पर उन्हें माफ़ करने की चुनौती देता है। तीसरी चीज़ है विश्वास जिसका मैंने पहले ज़िक्र किया था।

असाधारण चीजें करने के लिए किसी को बहुत ज़्यादा विश्वास की ज़रूरत नहीं होती। लेकिन एक शिष्य को पता होना चाहिए कि राज्य में असाधारण चीजें करने के लिए उन्हें सिर्फ़ थोड़ी सी आस्था की ज़रूरत होती है। शिष्यत्व की माँगों को इस दृष्टिकोण से समझना चाहिए।

यह ईश्वर के समुदाय में सेवा करने का रवैया है। ईश्वर के घराने में। जहाँ सदस्य भाई-बहन हैं।

जहाँ कोई भी दूसरे के मार्ग में बाधा बनने की कोशिश नहीं कर रहा है। जहाँ भाई-बहन एक-दूसरे को माफ़ करते हैं और एक-दूसरे को गलत बताते हैं। और जहाँ असाधारण चीजों के होने के लिए ईश्वर पर विश्वास करने की सच्ची भावना है।

और जब हम परमेश्वर के राज्य में सेवा करते हैं, तो उसने शिष्यों को यह दिखाने की पूरी कोशिश की कि किसी को सिर्फ़ अपना काम करने के लिए खुद की पीठ नहीं थपथपानी चाहिए। परमेश्वर की सेवा में भागीदार बनने में सक्षम होना एक विशेषाधिकार की तरह होना चाहिए। यहाँ एक मुख्य मुद्दा है जिस पर मैं श्लोक 11 पर जाने से पहले ज़ोर देना चाहूँगा।

यीशु ने क्षमा के बारे में जिस तरह से चर्चा की। फिर से, जब मैं कक्षा में होता हूँ, तो एक बात जो सामने आती है वह यह है कि जब मैं क्षमा के मुद्दे पर रुकता हूँ, और छात्रों से यीशु और तलाक़ जैसे मुद्दों पर सिद्धांतों का पता लगाने के लिए कहता हूँ। और यीशु और क्षमा, प्रार्थना, दान, विवाह, और यह सब।

तो, आइए यहाँ क्षमा पर रुकें और देखें कि यीशु यहाँ क्या कर रहे हैं। यीशु पहले भाईचारे की रूपरेखा तय करते हैं। अगर कोई भाई आपके खिलाफ़ पाप करता है तो क्या होगा? इसका मतलब है कि विश्वास के समुदाय के भीतर के लोग।

वे एक दूसरे को अपमानित करने के लिए बाध्य हैं। यदि वे पाप करते हैं तो उन्होंने जो भाषा का प्रयोग किया है उस पर ध्यान दें। पाप एक सामाजिक शब्द है।

पाप वे अमूर्त धार्मिक शब्द नहीं हैं जिन्हें यूरोप में मेरा दिमाग़ धोकर इस तरह से पेश किया गया कि मैं उन्हें स्वीकार करने से इनकार करता हूँ। पाप एक सामाजिक शब्दावली है। पाप करने का मतलब है कि समुदाय के सदस्य एक-दूसरे के साथ जिस तरह से व्यवहार करते हैं, उसमें समुदाय के दिव्य आदेश से दूर जा रहे हैं।

भाई के खिलाफ़ पाप करना भाई को उस रिश्ते से वंचित करना है जो ईश्वर ने आपके और आपके भाई या बहन के बीच विश्वास के समुदाय में एक सभ्य और सम्मानजनक रिश्ता स्थापित किया है। पाप मानवता के लिए ईश्वर के आदेश या समाज के लिए ईश्वर के आदेश का उल्लंघन है। यदि कोई भाई के खिलाफ़ पाप करता है क्योंकि उसने भाई को चोट पहुँचाई है, उसने भाई के साथ ईश्वर की तरह प्यार के अलावा कुछ भी व्यवहार किया है, तो उस व्यक्ति को माफ़ कर दिया जाना चाहिए।

लेकिन लूका में दिए गए सिद्धांत पर ध्यान दें। लूका 17 में लूका के विवरण में, लूका मांग करता है कि जिस व्यक्ति ने भाई को नाराज़ किया है, उसे पश्चाताप करना चाहिए। इस वार्तालाप में पश्चाताप एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाषा है।

पश्चाताप के लिए यह आवश्यक है कि अपराधी को अपने व्यवहार के लिए खेद हो। अपराधी अपने व्यवहार की जिम्मेदारी लेता है। अपराधी अपना व्यवहार बदलने के लिए तैयार है।

अपराधी पलटकर उस बुरी आदत को छोड़ने के लिए तैयार है जिसने दूसरे को नुकसान पहुंचाया है। जेडब्ल्यू मैकगार्वे पश्चाताप को परिभाषित करते हैं, जैसा कि मैंने इस व्याख्यान श्रृंखला में पहले कहा था, और मैंने इसे याद किया, चाहे आप मानें या न मानें, 1990 में जब मैं एक छात्र था और प्रेरितों के काम पर जेडब्ल्यू मैकगार्वे की टिप्पणी पढ़ी थी। वह कहते हैं कि पश्चाताप पाप के लिए दुःख के कारण इच्छा का परिवर्तन है और जीवन के परिवर्तन की ओर ले जाता है।

मुझे लगता है कि वह इसे शानदार ढंग से समझता है। इतने सालों बाद, मुझे यह परिभाषा पसंद है क्योंकि यह पश्चाताप के बारे में सबसे अच्छे सारांशों में से एक है। दूसरे शब्दों में, जब आप किसी भाई या बहन को ठेस पहुँचाते हैं, तो आपको अपनी इच्छा को बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए ताकि आप पूरी जिम्मेदारी ले सकें। आप समझते हैं कि आपके अंदर पाप के कारण, आपके द्वारा किए गए गलत काम के लिए गहरा दुख है, और आप तुरंत प्रभाव से उस व्यवहार को बदलने के लिए तैयार हैं।

क्यों? क्योंकि यह मानवता के लिए परमेश्वर के आदेश को कमजोर करता है। इसलिए यह पाप है। लूका यह सुझाव देता है कि जब पश्चाताप नहीं होता, तो कोई पाप नहीं होता।

कोई क्षमा नहीं है। लूका हमें सुझाव देता है कि जब लोग पाप करते हैं और जब वे पश्चाताप करते हैं, तो उन्हें डांटा जाना चाहिए, और फिर आप उन्हें क्षमा कर देते हैं। ओह, मैं कितना चाहता हूँ कि आज इतने सारे पादरी अपराधियों को डांटने का साहस करें।

मैं ऐसे बहुत से पादरियों को जानता हूँ जो भीड़ को खुश करने के बजाय सब कुछ कहना पसंद करते हैं। मैं एक ऐसे पादरी को जानता हूँ जो एक बड़े चर्च का पादरी है। ऐसा लगता है जैसे कोई व्यक्ति अपने दाँत निकालने के लिए स्कूड्राइवर का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है, भले ही उसे पाप के बारे में बात करने की ज़रूरत हो।

यह दर्दनाक है। लेकिन दोस्तों, मैं आपको याद दिला दूँ, मैं एक पापी हूँ जिसे अनुग्रह से बचाया गया है। मैं बहुत सारी गलतियाँ और गलतियाँ करने के लिए खड़ा हूँ।

और अगर मुझे मेरी ओर से किए गए गलत कामों की याद दिलाई जाती है, तो भाईचारे की खातिर और मेरे भाइयों और बहनों के कल्याण के लिए यह कितनी अच्छी बात है कि मैं अपने व्यवहार की जिम्मेदारी लेता हूँ। मैं परमेश्वर से पापों की क्षमा माँगता हूँ। और मैं परमेश्वर से अपने भाई तक पहुँचने और पश्चाताप की स्पष्टता दिखाने और अपने दुष्ट तरीकों को छोड़ने की कृपा माँगता हूँ।

अगर मैं दूसरों को तकलीफ़ न पहुँचाऊँ, तो क्या यह हमारे सामाजिक सामंजस्य के लिए अच्छी बात नहीं होगी? देखिए, जब प्रचारक इन बातों को संबोधित नहीं करना चाहते, तो आप सोचते हैं कि वे ईसाई क्लब चलाना चाहते हैं या चर्च। हमें गलत कामों के लिए दोषी ठहराने और पश्चाताप करने के लिए पवित्र आत्मा की ज़रूरत है।

हमें ऐसे मसीही भाई-बहनों की ज़रूरत है जो हमें गलत कामों के लिए डांटें और पश्चाताप करवाएँ। और जब हम पश्चाताप करते हैं, तो वह कहता है, माफ़ कर दो। मैं बस एक मिनट में माफ़ी शब्द के बारे में बात करूँगा।

माफ़ी और सुलह एक ही बात नहीं है। माफ़ करने का मतलब है दर्द या चोट को भूल जाना। माफ़ करने का मतलब है यह कहना कि अगर कोई व्यक्ति माफ़ी मांगता है तो मैं स्वीकार करता हूँ कि मैंने गलती की है।

लेकिन कभी-कभी, अपराधी द्वारा माफ़ी मांगे बिना भी माफ़ करना पड़ सकता है। माफ़ करने का मतलब है उस दर्द को छोड़ देना, उस चोट को छोड़ देना। क्योंकि जब आप उस चोट को पालते हैं और उसे लंबे समय तक रोकते हैं, तो वह गुस्सा कड़वाहट में बदल जाएगा।

और आप जानते ही हैं कि यह आपको नष्ट करना शुरू कर देता है। इसलिए, अगर आप माफ़ नहीं करते हैं तो आप अपराधी को आपको अपमानित करने और आपके जीवन के बाकी हिस्सों के लिए आपको नष्ट करने की अनुमति देते हैं। माफ़ करना छोड़ देना है।

और माफ़ी, एक तरह से, यह है कि अगर व्यक्ति पश्चाताप करता है, तो आप उसे माफ़ कर देते हैं ताकि आप रिश्ते को फिर से बहाल कर सकें। इसमें सुलह का तत्व भी शामिल है। लेकिन आप देखिए, माफ़ी और सुलह के बीच यही अंतर है कि माफ़ी। आप दर्द को जाने देते हैं।

सुलह करके आप उस व्यक्ति के साथ टूटे हुए रिश्ते को फिर से जोड़ सकते हैं जिसे आपने नाराज़ किया है या जिसने आपको नाराज़ किया है। माफ़ी हमेशा सुलह की ओर नहीं ले जाती। लेकिन माफ़ी सुलह के हर तरीके का एक अभिन्न अंग है।

कभी-कभी, आप किसी ऐसे व्यक्ति को माफ़ कर सकते हैं जो अपनी ज़िम्मेदारी को स्वीकार भी नहीं करता है, सिर्फ़ अपने लिए। और आप परमेश्वर के साथ शांति से रह सकें। कभी-कभी, आप किसी ऐसे व्यक्ति को माफ़ कर सकते हैं जिसने वास्तव में पश्चाताप किया है और आपके खिलाफ़ बहुत भयानक काम किए हैं।

हो सकता है कि उन्हें इस बात का पछतावा हो, लेकिन उनके पास अपने व्यवहार को रोकने की क्षमता नहीं है। इसलिए, अगर आप किसी जगह पर जाते हैं, तो वे आपको फिर से चोट पहुँचाएँगे, जैसे कोई यौन शिकारी हो।

जिनके साथ आप मेल-मिलाप नहीं कर पाते, लेकिन क्षमा हो सकती है। भाईचारे में, सिद्धांत यही है। जो पाप करते हैं, उन्हें डाँटो।

अगर वे पश्चाताप करते हैं, तो उन्हें क्षमा कर दें। लूका में, क्षमा पश्चाताप पर निर्भर है। इसका कोई शॉर्टकट नहीं है।

ल्यूक यह नहीं कह रहा है कि मुझे बहुत दुख पहुंचा है। अमेरिकी चर्चों में, यह बात मुझे परेशान करती है। ऐसे पादरी हैं जो अपने मण्डली को यह सुझाव देने की कोशिश करते हैं कि चाहे आप किसी के साथ कुछ भी करें, आप कोठरी में जाकर भगवान से समझौता कर सकते हैं और अपने रास्ते पर जा सकते हैं।

इस उम्मीद में कि जब आप परमेश्वर के साथ समझौता कर लेंगे, तो आप दूसरे व्यक्ति को पीछे छोड़ देंगे क्योंकि आपके लिए अपने गलत कामों का सामना करना बहुत मुश्किल है। नहीं, नहीं, नहीं, और नहीं। लूका में, वह व्यक्ति एक भाई है।

समुदाय में, आपको पश्चाताप करने की आवश्यकता है, और उस पारस्परिकता को प्रभावी बनाने के लिए क्षमा की आवश्यकता है। क्षमा का हमारे समुदाय में रहने के तरीके पर महत्वपूर्ण प्रभाव तभी पड़ेगा जब हम जिम्मेदारी लेंगे और उन लोगों तक पहुँचेंगे जिन्हें हमने ठेस पहुँचाई है - अध्याय 17 की आयत 11।

लूका हमें कुछ कोढ़ियों के बारे में एक कहानी सुनाएगा। आइए उस कहानी पर एक नज़र डालें। यरूशलेम के रास्ते में, लूका हमें याद दिलाना चाहता है कि अगर हम भूल गए हैं तो यीशु अभी भी यरूशलेम जा रहे हैं।

जब वह सामरिया और गलील के बीच से होकर जा रहा था, तो एक गांव में पहुंचा। वहां उसे दस कोढ़ी मिले, जो दूर खड़े होकर ऊंचे शब्द से कहने लगे, "हे यीशु, हे प्रभु, हम पर दया कर।" जब उस ने उन्हें देखा, तो कहा, "जाओ, अपने आप को याजक को दिखाओ।"

और चलते चलते वे शुद्ध हो गए। तब उन में से एक ने यह देखकर कि मैं चंगा हो गया हूँ, ऊंचे शब्द से परमेश्वर की स्तुति करता हुआ लौटा, और यीशु के पांवों पर मुँह के बल गिरकर धन्यवाद करने लगा। वह सामरी था।

तब यीशु ने उत्तर दिया, "क्या दस शुद्ध नहीं हुए? नौ क्या हैं? क्या इस विदेशी को छोड़कर कोई भी ऐसा नहीं मिला जो परमेश्वर की स्तुति करे?" और उसने उससे कहा, "उठो और जाओ। तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें ठीक किया है, या तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है।" अब, जब मैं इस विशेष अंश में प्रशंसा या कृतज्ञता के बारे में बात करता हूँ तो मैं व्यावसायिक भाषा का उपयोग करना पसंद करता हूँ।

यीशु, वास्तव में, यह प्रदर्शित कर रहे हैं कि सराहना करने से मूल्य बढ़ता है। जब आप किसी की सराहना करते हैं, तो आप उस व्यक्ति की नज़र में अपना मूल्य बढ़ाते हैं। लेकिन मैं यह भी सुझाव देता हूँ कि आपको इस विशेष उपचार के बारे में कुछ नहीं सोचना चाहिए।

यीशु कोढ़ियों से निपट रहे थे। यह प्रथा थी कि कोढ़ इतना संक्रामक होता है कि कोढ़ियों को हमेशा शहर से बाहर छोड़ दिया जाता था, ताकि वे ठीक होने तक शहर से बाहर रहें। जब वे ठीक हो जाते हैं, तो वे आम तौर पर खुद को पुजारी को दिखाते हैं, और पुजारी यह सुनिश्चित करता है कि जब वे शुद्ध हो जाएं, तो वे एक अनुष्ठान समारोह से गुजरें।

अगर आप चाहें तो आधुनिक भाषा का इस्तेमाल करें। जब आपको कुछ रोग होता है, जो हर तरह की त्वचा की बीमारी को संदर्भित करता है, तो आपको क्वारंटीन किया जाएगा। अब हम वास्तव में रिकॉर्ड कर रहे हैं कि कब सामाजिक दूरी बनाई जाती है, इसलिए हम समझते हैं कि क्वारंटीन का क्या मतलब है।

आपको क्वारंटीन किया जाएगा। आपके मामले में, आपको शहर के बाहर क्वारंटीन किया जाएगा, ताकि आप त्वचा रोग से और लोगों को संक्रमित न करें। जब आप ठीक हो जाते हैं, तो आप पुजारी के पास जाते हैं, और पुजारी आपके शुद्धिकरण के लिए कुछ अनुष्ठान करेंगे ताकि आप समाज में फिर से शामिल हो सकें, जिसमें मूल रूप से जड़ी-बूटियाँ शामिल होंगी और पानी में कुछ ऐसी चीज़ें डाली जाएँगी जिससे आप, आप इसे क्या कहते हैं, स्नान कर सकें, और फिर वहाँ से समाप्त कर सकें, ताकि आप, आप इसे क्या कहते हैं, आप पर जो संक्रमण है और वह सब समाज में न फैल जाए।

इसे ध्यान में रखते हुए, मैं जल्दी से इस पर प्रकाश डालना चाहता हूँ। इन कोढ़ियों का भौगोलिक स्थान बहुत महत्वपूर्ण है। लूका हमें बताता है कि वे गलील और सामरिया के बीच में स्थित हैं।

इसका मतलब यह है कि यह एक सामरी और यहूदियों के लिए कोढ़ियों के रूप में मिलने के लिए एक बहुत अच्छी जगह है। एक यहूदी की तरफ से आएगा, नौ यहूदी की तरफ से आएंगे, और एक सामरिया की तरफ से आएगा। उनके बीच जो आम बात है वह यह है कि दोनों के बीच सीमा है, और वे वहाँ डेरा डाल सकेंगे।

कानून के अनुसार, कोढ़ियों को शिविर में रहना न केवल यहूदियों के लिए बल्कि सामरियों के लिए भी आवश्यक है। यहाँ हम जो उद्धार की घोषणा देखेंगे, वह बहुत महत्वपूर्ण होगी। और इससे पहले कि मैं इस बारे में और अधिक बताऊँ, मैं आपको याद दिला दूँ कि इन कोढ़ियों से जुड़ा मुख्य मुद्दा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, इससे पहले कि हम और अधिक देखें।

मेरा मतलब है, जल्द ही, हम स्क्रीन से उनका अनुसरण नहीं कर पाएंगे, लेकिन मैं कुछ महत्वपूर्ण बातें भी उजागर करना चाहता हूँ जो आपको इन कोढ़ियों और उनकी कहानी के बारे में जानने की ज़रूरत है। दस कोढ़ियों की कल्पना करें, जिनमें से नौ यहूदी पक्ष से और एक सामरी पक्ष से हैं। जब उन्होंने यीशु को देखा तो वे ज़ोर से चिल्लाए।

वे विशेष रूप से दया के लिए रोए। यीशु ने उन पर दया दिखाई। लेकिन यीशु ने उन्हें तुरंत ठीक नहीं किया।

उसने उनसे कहा कि वे जाकर पुजारी को दिखाएँ, यह मानते हुए कि वे ठीक हो गए हैं। दूसरे शब्दों में, यीशु को इन कोढ़ियों से विश्वास की आवश्यकता थी कि वे बाहर जाएँ और पुजारी से मिलें। जब वे जा रहे थे, तो मैं नहीं चाहता कि आप उस छवि पर विश्वास करें जो मैंने आपको पहले दिखाई थी।

यह छवि है। यह मत मानो कि यहूदी और सामरी सभी एक ही दिशा में जा रहे थे। और फिर सामरी ने कहा, ओह! अब मुझे याद आया।

मुझे नासरत के यीशु से मिलने जाना है और उसे धन्यवाद कहना है। नहीं। दूसरी ओर, मैं चाहता हूँ कि आप यह कल्पना करें।

यीशु ने कहा, जाओ और अपने आप को पुजारी को दिखाओ। सामरी को सामरी पक्ष में जाना होगा। नौ यहूदी यहूदी पक्ष में जाएंगे।

अगर आप चाहें तो इसे उपचार द्वारा दमन कह सकते हैं। जब वे अलग-अलग रास्तों पर चले गए, तो सामरी को एहसास हुआ कि वह ठीक हो गया है। यीशु के पास वापस आकर धन्यवाद कहें।

यहूदी अभी भी पुजारी के पास जा रहे हैं। शायद वे ठीक हो गए हैं। हमें नहीं पता।

हमें नहीं पता कि उन्हें वापस आना चाहिए या नहीं, इस पर क्या प्रतिक्रिया होगी। या वे वापस आएंगे या नहीं। लेकिन विचार यह नहीं है कि दस लोग एक साथ थे, और एक बाहर आ गया।

लूका के लिए विचार यह है कि सबसे अधिक बहिष्कृत, बहिष्कृतों में से बहिष्कृत, सामरी, वह व्यक्ति था जिसने परमेश्वर के हाथ को पहचाना और आभार व्यक्त करने के लिए आया। लूका ने बहिष्कृत, सामरी कोढ़ी के लिए सुसमाचार पर जोर दिया, यदि सभी कोढ़ी बहिष्कृत थे, तो सामरी बहिष्कृतों में से बहिष्कृत था। वह वह व्यक्ति था जिसने यीशु के पास वापस आने की आवश्यकता को पहचाना।

यीशु के मसीहा होने को पहचानने के लिए आगे आने की ज़रूरत है। इस बात पर, यीशु यह महान घोषणा करेंगे और कहेंगे, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है। तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें बचाया है, इसमें उपचारात्मक और अंतिम संस्कार संबंधी दोनों अर्थ हैं।

कि आपके विश्वास ने सोज़ो को ठीक कर दिया है, आपको कहना चाहिए कि आपके विश्वास ने अब आपको ठीक कर दिया है, और आप ठीक रह सकते हैं। लेकिन इसका एक युगांतिक अर्थ भी होगा, इस अर्थ में कि शायद आपके विश्वास ने आपको राज्य में प्रवेश करने का अवसर दिया है और अब आप युगांतिक उद्धार के बारे में आश्वस्त हो सकते हैं जैसा कि यीशु प्रदान करता है।

यह देखने के लिए कि यीशु हाशिए पर पड़े लोगों तक कैसे पहुँचेंगे, यह कितनी शानदार योजना है।

एक बात जो आपको अब तक ध्यान में रखनी चाहिए, यीशु लूका 16 और 17 में बात कर रहे हैं। उन्होंने लाजर जैसे हाशिए पर पड़े लोगों की जगह पर प्रकाश डाला है। वह छोटे बच्चे के पेट में रुकावट पैदा न करने की बात कर रहे हैं।

यहाँ, उन्होंने एक सटीक टिप्पणी की है कि एक बहिष्कृत व्यक्ति भी है जो आज की इस महान घोषणा का प्राप्तकर्ता बन जाता है: आपके विश्वास ने आपको बचाया है। आप देखिए, यीशु अपनी शिक्षा को उठाते हुए, वास्तव में, यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि मनुष्य के पुत्र के आने का वास्तविक, वास्तविक प्रभाव है। और परमेश्वर के राज्य में उन लोगों के लिए भी जगह है जो हमारे समाज में इतने महत्वपूर्ण नहीं हैं।

उनके शिष्यों को यह जानना चाहिए कि परमेश्वर का राज्य सबके लिए है। फरीसियों को यह जानना चाहिए कि महत्वहीन ही महत्वपूर्ण है। जब हम सभी समझ जाते हैं कि परमेश्वर क्या कर रहा है, तो हमें यह महसूस करने के लिए रुकना चाहिए कि अगर आज हम खुद को ईसाई, मसीह के अनुयायी कहते हैं, तो हमसे भी यही अपेक्षा की जाएगी।

हम अपने क्षेत्र में गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और बहिष्कृत लोगों को किस हद तक महत्वपूर्ण मानते हैं? मैं प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर हमें दुनिया को उसी तरह देखने की कृपा प्रदान करें जिस तरह से वह इसे देखता है। लोगों को उसी तरह से देखने के लिए जिस तरह से वह उन्हें देखता है। सबसे बढ़कर, इस विशेष श्रृंखला में, मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम उस बिंदु पर पहुँच सकें, जिस पहलू पर मैंने इस व्याख्यान में बहुत जोर दिया है, क्षमा, उस पर प्रकाश डालते हुए।

हम हृदय से एक दृष्टिकोण और सच्चा पश्चाताप विकसित करते हैं। हम अपने भाइयों और बहनों तक पहुँचने में सक्षम होना चाहते हैं और एक ऐसे समुदाय में रहना चाहते हैं जो परमेश्वर के सच्चे परिवार के लिए जो चाहता है उसका प्रतीक और प्रतीक है। अच्छा प्रभु आपको आशीर्वाद दे।

ईश्वर आपको सशक्त करे और आपको जीवन दे। शायद क्षमा के स्पर्श के रूप में, इसने वास्तव में उन्हें कहीं प्रभावित किया हो। मैं प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर आपके हृदय को स्वस्थ करे।

मैं प्रार्थना करता हूँ कि परमेश्वर आपको चंगा करे। और मैं प्रार्थना करता हूँ कि हम सभी को मसीह यीशु में सामरी कोढ़ी की तरह मुक्ति मिले। अभी और हमेशा के लिए।

भगवान आपको आशीर्वाद दें। यह सत्र संख्या 26 है, दृष्टांत और दस कोढ़ी, लूका अध्याय 16, श्लोक 19 से अध्याय 17, श्लोक 19 तक।